

हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र I / Paper I

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

कुल आठ प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं ।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

प्रश्न सं. 1 और 5 अनिवार्य हैं और शेष में से तीन प्रश्नों का उत्तर दिया जाना है, जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम एक प्रश्न होना चाहिए ।

प्रत्येक प्रश्न / भाग के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तर की गणना संख्यात्मक क्रम में की जाएगी । यदि किसी प्रश्न को काटा नहीं गया, तो उस प्रश्न को गिन लिया जाएगा भले ही उसका उत्तर आंशिक तौर पर क्यों न लिखा गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

- Q1.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10×5=50**
- | | | |
|-----|--|----|
| (a) | अपभ्रंश और प्रारम्भिक हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप में प्रमुख अंतर | 10 |
| (b) | खड़ी बोली के विकास में संत साहित्य की भूमिका | 10 |
| (c) | तकनीक की भाषा के रूप में हिन्दी का विकास | 10 |
| (d) | हिन्दी के स्वरूप-निर्धारण में भारतेन्दु युग का योगदान | 10 |
| (e) | देवनागरी लिपि का मानक स्वरूप | 10 |
- Q2.**
- | | | |
|-----|--|----|
| (a) | मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ बताइए । | 20 |
| (b) | स्वातन्त्र्योत्तर भारत की संवादी भाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की चुनौतियाँ क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए । | 15 |
| (c) | सूफ़ी कवियों द्वारा प्रयुक्त अवधी के स्वरूप पर विचार कीजिए । | 15 |
- Q3.**
- | | | |
|-----|---|----|
| (a) | उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा के प्रमुख कारण क्या थे ? स्पष्ट कीजिए । | 20 |
| (b) | भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख कीजिए । | 15 |
| (c) | खुसरो द्वारा प्रयुक्त खड़ी बोली के स्वरूप का विवेचन कीजिए । | 15 |
- Q4.**
- | | | |
|-----|--|----|
| (a) | स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अहिन्दी भाषी व्यक्तित्वों के योगदान की चर्चा कीजिए । | 20 |
| (b) | ब्रज और खड़ी बोली का अन्तःसंबंध बताइए । | 15 |
| (c) | ज्ञान-विज्ञान की हिन्दी के विकास में पारिभाषिक शब्दावली क्यों आवश्यक है ? समझाइए । | 15 |

SECTION B

- Q5.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10×5=50**
- | | | |
|-----|---|----|
| (a) | हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य के इतिहास-लेखन की दृष्टि | 10 |
| (b) | सिद्ध और नाथ साहित्य का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव | 10 |
| (c) | समकालीन चिंतकों की दृष्टि में कबीर का साहित्य | 10 |
| (d) | भारतेन्दु के नाट्य-कर्म की लोकोन्मुखता | 10 |
| (e) | डॉ. नगेन्द्र का हिन्दी आलोचना को योगदान | 10 |
- Q6.**
- | | | |
|-----|---|----|
| (a) | प्रसाद के नाटकों में व्यक्त राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना को स्पष्ट कीजिए । | 20 |
| (b) | “भारतीय नवजागरण हिन्दी गद्य के विकास की आधार-भूमि है ।” इस कथन की समीक्षा कीजिए । | 15 |
| (c) | घनानंद की कविता में व्यक्त स्वानुभूति और स्वच्छंदता का विवेचन कीजिए । | 15 |
- Q7.**
- | | | |
|-----|---|----|
| (a) | भीष्म साहनी के उपन्यासों में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए । | 20 |
| (b) | हिन्दी रंगमंच के विकास में मोहन राकेश का योगदान बताइए । | 15 |
| (c) | रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिए । | 15 |
- Q8.**
- | | | |
|-----|--|----|
| (a) | कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों के सांस्कृतिक पक्ष पर विचार कीजिए । | 20 |
| (b) | कृष्णा सोबती के कहानी-लेखन में स्त्री-विमर्श का संदर्भ बताइए । | 15 |
| (c) | हिन्दी की व्यावहारिक आलोचना का विवेचन कीजिए । | 15 |

prepp
Your Personal Exam Guide